

17/12  
24

पशावती मेम। बगुलाप फरीकें टागिण  
उममपशीम उमपेवकलकें न ऊपील के तिलारण  
एक उममपश का पाकड काके एक तिवैक  
मिम। इतः उममपशीम उमपेवकलकें के  
तिवैक ए उममपश का पाकड तिम  
पाना व कि गुल ऊपील के तिलारण  
एक उमपेवकलकें की मीका व तिवैक

*[Handwritten signature]*  
121

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज

की मर्यादाओं के अन्तर्गत वर्यो, पभावली  
केवल मुक्त होकर नष्ट से का  
होकर मूल इमील के मलका से

*[Handwritten signature]*